



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1066]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 14, 2006/भाद्र 23, 1928

No. 1066]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 14, 2006/BHADRA 23, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2006

आय-कर

का.आ. 1532(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 11 की उप-धारा (5) के खण्ड (xii) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (दसवां संशोधन) नियम, 2006 है।

(2) ये 26 नवम्बर, 1999 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के भाग IV के नियम 17ग में, खंड (iv) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे और 26 नवम्बर, 1999 को अंतःस्थापित किए गए समझे जाएंगे, अर्थात् :-

“(v) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खंड (च) में निर्दिष्ट किसी मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज (जिसे इसमें इसके पश्चात् विनिधानकर्ता कहा गया है) द्वारा किसी कंपनी (जिसे इसमें इसके पश्चात् विनिधानी कहा गया है) के साधारण शेयर में किए गए विनिधान -

(क) जो प्रतिभूतियों का कारबार करने में लगा है या मुख्य रूप से प्रतिभूति बाजार से सहयोजित है ;

- (ख) जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, 1992 ( 1992 का 15 ) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन जारी किए गए निदेशों या मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसार विनिधानी के माध्यम से उक्त स्टॉक एक्सचेंज के संबंध में व्यापार के विनिधानकर्ता सदस्यों को सुकर बनाने के एकमात्र प्रयोजन के लिए किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की सदस्यता अर्जित करना है ; और
- (ग) जिसमें कम से कम 51 प्रतिशत साधारण शेयर विनिधानकर्ता द्वारा धारित हैं और अतिशेष साधारण शेयर ऐसे विनिधानकर्ता के सदस्यों द्वारा धारित हैं । ” ।

### स्पष्टीकारक ज्ञापन

आय-कर नियम, 1962 के नियम 17ग में एक नया खंड (v) अंतःस्थापित करने का प्रस्ताव है जिससे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा किए गए विनिधान को उस कंपनी के साधारण शेयरों में सम्मिलित किया जा सके जो उसके द्वारा अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के सदस्यता अधिकारों को अर्जित करने के लिए संप्रवर्तित की गई है जहां कम से कम समादत्त शेयर पूंजी का 51 प्रतिशत स्टॉक एक्सचेंज द्वारा धारित है और अतिशेष उसके सदस्यों द्वारा धारित है । संशोधन को 26 नवम्बर, 1999 को भूतलक्षी प्रभाव देने का प्रस्ताव है ।

लघु स्टॉक एक्सचेंजों के बहाली के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ने भारत में सभी स्टॉक एक्सचेंजों को समनुषंगियों को संप्रवर्तित करने के लिए अनुज्ञात करने के लिए 26 नवम्बर, 1999 और 16 दिसम्बर 1999 को मार्गदर्शक सिद्धान्त जारी किए गए थे जिससे बृहत्तर स्टॉक एक्सचेंजों अर्थात् राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज / मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज और दोनों ही स्टॉक एक्सचेंजों के सदस्यता अधिकारों को अर्जित किया जा सके । उपर्युक्त मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसरण में कतिपय प्रादेशिक स्टॉक एक्सचेंजों ने समनुषंगी की साधारण पूंजी के 51 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की रेंज में उतारा था और इस प्रकार के स्टॉक एक्सचेंज

राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज / मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज और दोनों ही स्टॉक एक्सचेंजों के सदस्य हो गए ।

अतः एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई जिसके द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के 26 नवम्बर, 1999 के मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसरण में, प्रादेशिक स्टॉक एक्सचेंज, 1999 से समनुषंगियों में शेयर विनिधान कर रहे हैं, जब कि नियम 17ग के साथ पठित धारा 11 की उपधारा (5), जैसे वे विद्यमान हैं, ऐसे विनिधानों को अनुज्ञात नहीं करते हैं क्योंकि प्रादेशिक स्टॉक एक्सचेंजों ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के मार्गदर्शक सिद्धांतों को इस विषय में अपनाया है । यह आवश्यक हो गया है कि उक्त मार्गदर्शक सिद्धांतों और सुसंगत कर उपबन्धों के मध्य 26 नवम्बर, 1999 से प्रारंभ होने वाली अवधि के लिए संपरिवर्तनीयता लाई जाए ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा 26 नवम्बर, 1999 में जारी किए गए मार्गनिर्देशों के पश्चात् समनुषंगियों की स्थापना की है । अतः उक्त अधिसूचना को उस तारीख से भूतलक्षी बनाने का प्रस्ताव है ।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से किसी निर्धारिती पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[अधिसूचना सं. 267/2006/फा. सं. 149/118/2006-टीपीएल]

वन्दना रामचन्द्रन, अवर सचिव (टीपीएल-1)

**टिप्पण :-** मूल नियम अधिसूचना सं० का.आ.969(अ) तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अन्तिम संशोधन आय-कर (नौवां संशोधन) नियम, 2006 द्वारा अधिसूचना सं० का.आ.सं० 1287(अ) तारीख 10 अगस्त, 2006 द्वारा किए गए थे .

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Revenue)**  
**(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th September, 2006

**INCOME-TAX**

**S.O. 1532(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 295 read with clause (xii) of Sub-section (5) of Section 11 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Tenth Amendment) Rules, 2006.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 26<sup>th</sup> day of November, 1999.
2. In the Income-tax rules, 1962, in Part IV, in rule 17C, after clause (iv), the following clause shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 26<sup>th</sup> day of November, 1999, namely:—

“(v) investment made by a recognised stock exchange referred to in clause (f) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), (hereafter referred to as investor) in the equity share capital of a company (hereafter referred to as investee)–

- (A) which is engaged in dealing with securities or mainly associated with the securities market;
- (B) whose main object is to acquire the membership of another recognised stock exchange for the sole purpose of facilitating the members of the investor to trade on the said stock exchange through the investee in accordance with the directions or guidelines issued under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) by the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of that Act; and
- (C) in which at least fifty one per cent. of equity shares are held by the investor and the balance equity shares are held by members of such investor.”.

**Explanatory Memorandum :**

It is proposed to insert a new clause (v) in rule 17C of the Income Tax Rules, 1962 so as to include investment by a recognized Stock Exchange, in the equity shares of a company promoted by it to acquire the membership rights of other stock exchanges, where at least 51% of the paid-up share capital is held by the Stock Exchange and the balance is held by its members. The amendment is proposed to be made effective retrospectively from the 26<sup>th</sup> day of November, 1999.

As part of revival of small stock exchanges, the Securities and Exchange Board of India issued guidelines on the 26<sup>th</sup> day of November, 1999 and the 16<sup>th</sup> day of December, 1999 allowing all stock exchanges in India to promote subsidiaries, so as to acquire membership rights of larger stock exchanges namely National Stock Exchange/Bombay Stock Exchange and the like. In pursuance to the above guidelines, certain Regional Stock Exchanges floated subsidiaries with investment ranging from 51% to 100% of the equity capital of the subsidiary and thus became members of National Stock Exchange or Bombay Stock Exchange or both.

Hence, a situation arose whereby, in pursuance to the guidelines dated the 26<sup>th</sup> day of November, 1999 of the Securities and Exchange Board of India, regional stock exchanges had been making share investment in subsidiaries since 1999, whereas sub-section (5) of section 11 read with rule 17C, as they stood, did not permit such investments. As the regional stock exchanges had followed guidelines of Securities and Exchange Board of India on the matter, it became necessary to bring in a convergence between the said guidelines and the relevant tax provisions for the period commencing from the 26<sup>th</sup> day of November, 1999.

The subsidiaries have been established subsequent to the issue of guidelines dated the 26<sup>th</sup> day of November, 1999 by the Securities and Exchange Board of India. The above notification is therefore proposed to be made retrospectively from that date.

It is certified that no assessee is likely to be prejudicially affected by this notification being given retrospective effect.

[Notification No. 267/2006/F. No. 149/118/2006-TPL]  
VANDANA RAMACHANDRAN, Under Secy. (TPL-I)

**Note.-** The principal rules were published vide notification No. S.O. 969 (E) dated the 26<sup>th</sup> March, 1962 and last amended by Income-tax (Ninth Amendment) Rules, 2006 vide notification S.O. No. 1287(E) dated the 10<sup>th</sup> August, 2006.

2899 GI/06-2